प्रसार भारती
आकाशवाणी शिमला

03.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश सरकार लोगों को विश्व स्तरीय परिवहन सुविधाएं प्रदान करने और हिमाचल को 'ग्रीन एनर्जी स्टेट' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सोलन जिले के क्यारीघाट से कल 24 स्टेट ऑफ द आर्ट वोल्वो बसों को हरी झण्डी दिखाने के बाद एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने ये बात कही। इस दौरान उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल भी मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 5 सौ डीजल बसें, 3 सौ इलेक्ट्रिकल बसें और लगभग 30 वोल्वो बसें खरीदी गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास और लोगों की सुविधा के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम को और बेहतर बनाने के यथा सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। राज्य में हाईड्रोजन चलित बसों को बढ़ावा देने के लिए भी कार्य प्रगति पर है।

अलंकरण समारोह

सेना प्रशिक्षण कमान आरट्रैक द्वारा आज शिमला में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। सेना प्रशिक्षण कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ जीओसी–इन–सी, लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने अलंकरण समारोह की अध्यक्षता की। इस दौरान, प्रशिक्षण वर्ष 2023–24 के लिए प्रतिष्ठानों और व्यक्तियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने कहा कि नए दौर में युद्ध के तरीके बदल गए हैं। अब युद्ध में ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2027 तक आरट्रैक ड्रोन सहित 33 नई तकनीकों का परीक्षण अपने जवानों को देगा, जिसके लिए 15 प्रमुख प्रशिक्षण प्रतिष्ठान विशेषज्ञता के केंद्र के रूप में विकसित किए जा रहे हैं।

आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए देवेंद्र शर्मा ने बताया कि आरट्रैक संसाधन प्रबंधन के तहत 57 नई पहल की हैं। इस बुनियादी ढांचे के विकास और प्रशिक्षण में 3 सौ 90 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए आरट्रैक ने वर्ष 2024–25 में 18 हजार

कर्मियों को प्रशिक्षित किया है। ये सभी पहल भारतीय सेना को भविष्य के लिए तैयार सेना में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मौसम

प्रदेश में मानसून के कड़े तेवर जारी हैं और आज भी मौसम खराब बना हुआ है। राजधानी शिमला सहित अधिकांश स्थानों पर बीती रात भारी वर्षा हुई है।

कुल्लू जिला में स्नो गैलरी के पास नाले में आई बाढ़ से मनाली–केलंग सड़क वाहनों की आवाजाही के लिए अवरूद्व हो गई है। सीमा सड़क संगठन द्वारा सड़क बहाली के प्रयास किए जा रहे हैं। ये सड़क बंद होने से केलंग की ओर जाने वाले व मनाली आने वाले वाहनों को रोहतांग दर्रा से होकर भेजा जा रहा है। इस बीच मंडी जिला के बाढ़ व भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य जारी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार मंडी जिला के विभिन्न स्थानों पर बादल फटने की घटनाओं में 11 लोगों की मृत्यु हुई है, जबकि 34 लोग लापता हैं। एनडीआरएफ, एडीआरएफ व जिला प्रशासन की टीमें सर्च आपेरशन में तेजी जुटी हुई हैं। इस बीच मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं मंडी, हमीरपुर, शिमला, सिरमौर और सोलन जिलों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश में आठ जुलाई तक मौसम के खराब बने रहने की संभावना है।